## खेल एवं युवा कार्यक्रम विभाग, हरियाणा की वार्षिक प्रषासनिक रिपोर्ट 2017–18 की समीक्षा।

मनुष्य के व्यक्तित्व को आकार देने में खेलों की महत्वपूर्ण भूमिका है। ये व्यक्ति में प्रतियोगिता की भावना, साहस सहनषीलता, दृढ़ निष्चय तथा साहसिक प्रवृति जागृत करते हैं। खेल एकता बढ़ाने वाली एक महान षक्ति है जो विविध लोगों को एक साथ जोड़ती है। खेल षान्ति व भ्रातृत्व को बढ़ावा देते हैं, इस प्रकार राष्ट्र–निर्माण में योगदान देते हैं। ये लोगों में हार को षालीनता से स्वीकार करने का साहस भरते हैं तथा साथ–ही–साथ व्यक्ति को जीत में विनम्र बने रहने की षिक्षा भी देते हैं। खेल तथा युवा कार्यक्रम विभाग कई खेल एवं युवा विकास संबधी कार्यक्रमों को चला रहा है, जिन का लक्ष्य खेलों में श्रेष्ठता तथा चरित्र निर्माण को बढ़ावा देना है। विभाग द्वारा वर्ष 2017–2018 के दौरान प्लान तथा नान–प्लान योजनाओं को कार्यान्वित करने हेतु भरसक प्रयास किए गए। जिसके फलस्वरूप अधिकाधिक लोगों ने खेंलों में भाग लिया। हरियाणा के खिलाड़ियों ने राष्ट्रीय तथा अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर उत्कृष्ट उपब्धियाँ प्राप्त की हैं।

यह खेल तथा युवा कार्यक्रम विभाग, हरियाणा की 52वीं वार्षिक प्रषासनिक रिपोर्ट है। विभाग में खेल तथा युवा गतिविधियों के निरीक्षण तथा आयोजन के लिए 1 संयुक्त निदेषक (एक्स काडर), 6 उप–निदेषक खेल, 3 सहायक निदेषक, 23 ज़िला खेल एवं युवा कार्यक्रम अधिकारी, 121 प्रषिक्षक, 457 जूनियर प्रषिक्षक, 3 सहायक प्रषिक्षक, 5 युवा एवं सांस्कृतिक समन्वयक, 13 जूनियर युवा एवं सांस्कृतिक समन्वयक, 1 स्थापना अधिकारी, तथा 6 अधीक्षक कार्यरत थे। जिला, राज्य तथा राष्ट्रीय स्तर पर विभिन्न ओलम्पिक तथा नान–ओलम्पिक खेलों में प्रतियोगिताएं आयोजित की गईं। राज्य के 21 जिलों में प्रत्येक ज़िला में एक खेल परिसर, फरीदाबाद व रोहतक में 2 राज्य स्तरीय खेल परिसर, 13 सब डिवीज़नल स्टेडियम, 9 तरणताल, 1 खेल छात्रावास, 8 बहुउद्देषीय हाल, 8 सिंथैटिक एथलैटिक्स ट्रैक तथा 10 हाकी एस्ट्रोटर्फ स्थित हैं। ग्रामीण क्षेत्रों में 24 एस.सी. कम्पोनैंट के स्टेडियम हैं। खण्ड स्तर पर 160 राजीव गांधी खेल परिसरों का निर्माण पूर्ण किया जा चुका है तथा 7 खेल छात्रावास निर्माणाधीन हैं। इस वर्ष 25800.21 लाख रूपये की राषि खेलों के विकास के लिए बनाई गई योजनाओं पर व्यय की गई।

विभिन्न जिला खेल परिषद/स्टेडियम कमेटियों को स्टेडियम, छात्रावास, हाकी एस्ट्रोटर्फ, सिंथैटिक फ़्लोरिंग तथा बास्केटबाल कोर्ट्स के निर्माण एवं रख रखाव हेतु 56.08 करोड रूपये की राषि अनुदान के रूप में दी गई।

खिलाड़ियों की नैतिकता एवं साहस में बढ़ौतरी के लिए खेल नीति–2015 में ओलंपिक पदक विजताओं के लिए नकद पुरस्कारों में बढ़ौतरी का प्रावधान किया गया है। अब ओलंपिक में स्वर्ण पदक विजेता खिलाड़ी को 6 करोड़ रूपये की राषि दी जाती है। रजत पदक विजेता को 4 करोड़ रूपये, कास्ंय पदक विजेता को 2.5 करोड रूपये तथा प्रतिभागी खिलाड़ियों को 15 लाख रूपये की राषि प्रदान की जाएगी। एषियन गेम्ज़ में स्वर्ण पदक विजेता को 3.00 करोड तथा राष्ट्रमंडल खेलों में स्वर्ण पदक विजेता को 1.5 करोड़ रूपये प्रदान किये जाते हैं।

खिलाड़ियों तथा प्रषिक्षकों के लिए बहुत से पुरस्कारों की व्यवस्था है। जैसे एकलव्य अवार्ड–जूनियर खिलाड़ियों के लिए, महाराणा प्रताप अवार्ड–पुरूषों के खेलों में आजीवन योगदान के लिए, रानी लक्ष्मी बाई अवार्ड–महिलाओं के खेलों में आजीवन योगदान के लिए तथा गुरू वषिष्ठ अवार्ड–प्रषिक्षकों के लिए।

खेल संस्कृति को बच्चों में सर्वप्रिय बनाने के उद्देष्य से खेल नर्सरियों में वैज्ञानिक तथा सघन प्रशिक्षण दिया जाता है। वर्ष 2017–18 में राज्य के सभी जिलों में 343 स्वर्ण जयंती खेल नर्सरियां चालू की गईं। इन नर्सरियों में 8000 खिलाड़ी प्रषिक्षण ले रहे हैं।

विभाग द्वारा सब जूनियर, जूनियर तथा सीनियर वर्ग में विभिन्न खेल गातिविधियां आयोजित की गईं। वर्ष 2017–18 में निम्नलिखित प्रतियोगिताएँ आयोजित करवाई गई :–

हरियाणा के खिलाड़ियों में प्रतिस्पर्धा की भावना जागृत करने हेतु दिनांक 27/09/17 को कर्ण स्टेडियम करनाल में 'खेल महाकुम्भ' का उद्घाटन किया गया। सभी जिलों में 26/09/17 से 03/10/17 तक 24 खेलों में जिला स्तरीय 'खेल महाकुम्भ' का आयोजन किया गया। 'खेल महाकुम्भ' का समापन समारोह 31.10.17 को हिसार में आयोजित किया गया।

पंडित दीन दयाल उपाध्याय मैमोरियल कबड्डी टूर्नामैंट दिनांक 19/02/18 से 21/02/18 तक जीन्द में आयोजित करवाया गया। प्रथम, द्वितीय, तृतीय स्थान विजेता को 1.00 करोड़ 50 लाख तथा 25 लाख रूपये की राशि के पुरस्कार प्रदान किए गए। चतुर्थ स्थान विजेता खिलाड़ी को 11.00 लाख रूपये की राशि का पुरस्कार दिया गया। इस आयोजन पर 4.11 करोड़ रूपए की राशि व्यय हुई।

राज्य में कुश्ती जो हरियाणा का पारंपरिक खेल है, के प्रचार हेतु भीम स्टेडियम भिवानी में दिनांक 21–03–18 से 23–03–18 तक 'भारत केसरी दंगल' का आयोजन किया गया। पूरे भारत से 80 पहलवानों ने इस दंगल में भाग लिया। राज्य स्तरीय अखाड़ा/कुमार दंगल तथा हरियाणा केसरी 26/02/18 से 28/02/18 तक झज्जर में लड़कों तथा हिसार में लड़कियों के लिए आयोजित करवाया गया। इन प्रतियोगिताओं में 1144 पहलवानों ने भाग लिया। राज्य स्तरीय अखाड़ा/कुमार दंगल प्रतियोगिताओं पर 28.85 लाख रूपये की राशि खर्च की गई।

राज्य में योग के विकास एवं प्रसार हेतु 16 योग केन्द्र तथा 437 पार्क–कम–व्यायामषालाएँ स्थापित किए गये। इन व्यायामषालाओं में 166 'योग एण्ड फ़िज़ीकल फ़िटनैस वॉलंटियर' नियुक्त किए गए। राज्य स्तरीय तथा जिला स्तरीय योग प्रतियोगिताओं तथा के आयोजन पर 14.77 लाख रूपये की राशि खर्च की गई। राज्य स्तरीय अन्तर केन्द्र योग प्रतियोगिता 01/02/18 से 03/02/18 तक पंचकूला में आयोजित करवाई गई जिसमें राज्य से 477 प्रतिभागियों ने भाग लिया। दिनांक 04/12/17 से 07/03/18 तक राज्य के सभी ब्लॉकों में सैमीनार तथा योग प्रशिक्षण शिविर आयोजित किए गए।

राज्य सरकार द्वारा टेबल टेनिस में अखिल भारतीय सिविल सेवा प्रतियोगिता की मेजबानी की गई। जिसका आयोजन दिनांक 08/03/18 से 12/03/18 तक पंचकूला में किया गया। अन्य राज्यों से 650 खिलाड़ियों ने इसमें भाग लिया। इसके सफ़लतापूर्वक आयोजन हेतु 15000/– रूपए की राशि स्वीकृत की गई।

पंचकूला में 14–16 मार्च 2018 तक राज्य स्तरीय पैरालिंपिक प्रतियोगिता का आयोजन करवाया गया। जिसमें 2376 दिव्यांग खिलाड़ियों ने भाग लिया। सभी जिलों में जिला स्तरीय पैरालिंपिक प्रतियोगिताएं भी आयोजित की गईं। पैरालिंपिक प्रतियोगिताओं के आयोजन पर 18.00 लाख रूपए की राशि व्यय हुई।

'खेलो इण्डिया स्कूल गेम्ज़' में हरियाणा के खिलाड़ियों ने 12 खेलों में प्रतिभागिता की। हरियाणा के खिलाड़ियों ने 72 स्वर्ण, 61 रजत तथा 36 कांस्य पदक जीते।

प्रशिक्षण शिविर योजना के अन्तर्गत आखिल भारतीय सिविल सेवा प्रतियोगिताओं के विभिन्न इवैंट्स में प्रतिभागिता के लिए 23 प्रशिक्षण शिविर आयोजित किये गये। इसके अतिरिक्त सभी जिलों में 05/06/17 से 19/06/17 तक ऑफ़ सीज़न प्रषिक्षण षिविर भी लगाए गए। 18.66 लाख रूपये की राशि व्यय हुई।

स्कूलों में पढ़ रहे खिलाड़ियों की उपलब्धियों को मान्यता देने हेतु उनकी राज्य तथा राष्ट्रीय स्तरीय उपलब्धियों के आधार पर क्रमशः 200 रूपये तथा 150 रूपये प्रतिमास की दर से छात्रवृतियाँ दी गई तथा कालेज खिलाड़ियों को 250 रूपये तथा 200 रूपये की दर से छात्रवृतियाँ दी गईं। इस प्रकार इस योजना के अन्तर्गत 32.26 लाख रूपये की राशि वितरित की गई तथा 1932 खिलाड़ी लाभान्वित हुए। SCSP योजना के अंतर्गत 843 अनुसूचित जाति के खिलाड़ियों को 13.31 लाख रूपये की छात्रवृतियां दी गई।

हरियाणा के उत्कृष्ट खिलाड़ियों को राष्ट्रीय तथा अन्तराष्ट्रीय खेलों में उनकी सराहनीय उपलब्धियों के लिए नकद पुरस्कारों से सम्मानित किया जाता है।

वृद्धावस्था पैंशन योजना के अन्तर्गत इस वर्ष 1 खिलाड़ी को 3600/– रूपये की राशि दी गई। यह 700 रूपये 500 रूपये तथा 300 रूपये प्रतिमास की दर से राष्ट्रीय/राज्य स्तरीय प्रतियोगिताओं में प्रथम, द्वितीय तथा तृतीय स्थान प्राप्त करने वाले खिलाड़ियों को स्वीकृत की जाती है।

उत्कृष्ट खिलाड़ियों को राष्ट्रीय खेल संस्थान पटियाला तथा बंगलौर से प्रशिक्षण में डिप्लोमा प्राप्त करने के लिए प्रोत्साहित करने हेतू 3000 रूपये प्रति खिलाड़ी की दर से स्टाईफण्ड योजना के अंतर्गत स्टाईफण्ड दिया जाता है। इस वर्ष 9 खिलाड़ियों को प्रोत्साहित किया गया।

हरियाणा के युवाओं के सर्वांगीण विकास और उन्हें राष्ट्रीय विकास की प्रमुख धारा में लाने के लिए **नेहरू युवा केन्द्र, चेतना संघ, युवा विकास योजना तथा साहसिक खेल योजनाएं** प्रभावशाली ढंग से कार्यान्वित की गई। कौषल विकास एवं साहसिक खेलों को बढ़ावा देने के लिए 'हरियाणा साहसिक खेल अकादमी' की स्थापना की गई। 178 लाख रूपये की राशि इन योजनाओं पर खर्च की गई तथा 64202 युवा इन योजनाओं से लाभान्वित हुए।

पुस्तकालय योजना के अन्तर्गत 4.50 लाख रूपये की राशि की किताबों, मैगजीनों व अखबारों की खरीद की गई ताकि प्रशिक्षकों तथा खिलाड़ियों को खेलों की नवीनतम सूचना प्राप्त हो सके। प्रत्येक जिला खेल एवं युवा कार्यक्रम अधिकारी के कार्यालय में लाईब्रेरी स्थापित की गई है। सभी जिला लाईब्रेरियों को और अधिक विकसित करने हेतु स्पोर्टस साइंस, खेलों की तकनीक तथा नियमों से संबंधित 350 पुस्तकें खरीदी गईं।

हरियाणा सरकार द्वारा मोतीलाल नेहरू खेल स्कूल, राई (ISO 9001-2008) की स्थापना वर्ष 1973 में की गई थी। इस स्कूल का मुख्य उद्देश्य यहाँ शिक्षा ग्रहण कर रहे विद्यार्थियों में सहयोग तथा उतरदायित्व की भावना जागृत करने हेतू उन्हें उच्च कोटि का खेलों का प्रशिक्षण तथा आधुनिक ढंग से शिक्षा देना है। यह स्कूल सी.बी.एस.ई. से सबंद्ध है। ब्रिटिश कौंसिल द्वारा इसे वर्ष 2008–11 तथा

2012–15 तथा 2015–18 के प्रतिष्ठित इंटरनैशनल स्कूल अवार्ड (ISA) से सम्मानित किया जा चुका है। "एजुकेशन वर्ल्ड" मैगजीन द्वारा "**स्पोर्टस एजुकेशन**" कैटेगरी में इस विद्यालय को वर्ष 2011–2017 तक सात बार नं: 1 रिहायशी स्कूल का दर्जा दिया गया है। इस विद्यालय का परिसर 300 एकड़ हरी भरी उज्ज्वल भूमि पर फैला हुआ है। इसके भव्य परिसर में इंटरनैट सुविधा सहित शैक्षणिक व प्रशासनिक इमारतें, छात्रावास, कर्मचारियों के आवास, सभागार, तथा दो पुस्तकालय हैं। यहाँ पर दर्षक दीर्घा सहित एक एस्ट्रोटर्फ, एक एथलैटिक्स स्टेडियम, तरणताल, जिम्नेजियम, टैनिस कोर्ट, बास्केटबाल कोर्ट, वालीबाल कोर्ट, घुड़सवारी, फुटबाल और हाकी मैदान, क्रिकेट मैदान, स्क्वाष कोर्ट, विद्यालय, अस्पताल और वृक्षों से आच्छादित भव्य मार्ग भी सम्मिलित हैं जो मीलों फैले हुए हैं। विद्यालय की इमारतों का डिजाइन सौंदर्यपूर्ण तथा निर्माणकला आष्चर्यचकित कर देने वाली है।

यह स्कूल पब्लिक स्कूल की षिक्षण पद्धति पर आधारित है जिसमें हमारी सांस्कृतिक विरासत का सम्मिश्रण है। जिससे ग्रामीण छात्र भी आधुनिक सुविधाओं का लाभ उठा पाते हैं। स्कूल में प्रवेष चौथी कक्षा से षुरू होता है। इस स्कूल का पूर्ण नियंत्रण तथा निरीक्षण विषेष बोर्ड के द्वारा किया जाता है जिसके अध्यक्ष महामहिम राज्यपाल महोदय हैं। षिक्षा तथा खेलों पर होने वाले खर्च में राज्य सरकार द्वारा भारी मात्रा में सबसिडी दी जाती है। मोतीलाल नेहरू स्कूल, राई का वित्तीय वर्ष 2017–18 का स्वीकृत बजट 1851.20 लाख रूपये था।

वर्ष 2017–18 में विभाग का बजट 38536.20 लाख रूपये तथा खर्च 25800.21 लाख रूपये था।

रिपोर्ट में वर्णित अवधि के दौरान, खेल मंत्री तथा अन्य अधिकारीगण के नाम व उनकी कार्यावधि का विवरण निम्न प्रकार से है:–

| **क्रम सं0** | **पदनाम** | **नाम** | **कार्यावधि** |
|---|---|---|---|
| 1. | खेल मंत्री | श्री अनिल विज | 26.10.14–31.03.18 |
| 2. | अतिरिक्त मुख्य सचिव, हरियाणा सरकार, खेल एवं युवा कार्यक्रम | श्री के. के. खण्डेलवाल, आई. ए. एस. | 13.11.14–04.02.18 |
| 3. | निदेशक खेल एवं युवा कार्यक्रम विभाग | श्री जगदीप सिंह, आई.ए.एस. | 22.12.14–31.03.18 |
| 4. | अतिरिक्त निदेषक (प्रषासन) | श्री ओ. पी. षर्मा, एच.सी.एस. | 01.04.14–31.08.17 |

मुख्यालय तथा जिला स्तर पर निम्ललिखित अमले ने काम किया:–

| | **मुख्यालय** | **जिला स्तर** | | |
|---|---|---|---|---|
| **क्रम सं.** | **पदनाम** | **संख्या** | **पदनाम** | **संख्या** |
| 1. | उपनिदेशक खेल | 6 | सहायक निदेषक (एक्स काडर) | 2 |

| | | | | |
|---|---|---|---|---|
| 2. | संयुक्त निदेषक (एक्स काडर) | 1 | जिला खेल एवं युवा कार्यक्रम अधिकारी | 23 |
| 3. | सहायक निदेषक (योग) | 1 | प्रशिक्षक | 121 |
| 4. | खेल अधिकारी | 1 | जूनियर प्रषिक्षक | 457 |
| 5. | स्थापना अधिकारी | 1 | सहायक प्रषिक्षक | 3 |
| 6. | बजट एवं आयोजना अधिकारी | 1 | योग प्रषिक्षक | 10 |
| 7. | अधीक्षक | 6 | युवा एवं सांस्कृति संयोजक | 5 |
| 8. | निजी सचिव | 1 | कनिष्ठ युवा एवं सांस्कृतिक संयोजक | 13 |
| 9. | सहायक जिला न्यायवादी | 1 | उपाधीक्षक | 14 |
| 10. | अनुभाग अधिकारी, लेखा | 1 | सहायक | 38 |
| 11. | उपाधीक्षक | 3 | स्टैनो टाईपिस्ट | 3 |
| 12. | लाईब्रेरियन | 1 | क्लर्क | 24 |
| 13. | युवा एवं सांस्कृतिक संयोजक | 1 | स्टोरकीपर | 21 |
| 14. | सहायक/ स्टोरकीपर | 14 | सेवादार | 23 |
| 15. | लिपिक | 19 | मैदानकर्मी | 17 |
| 16. | चालक | 7 | चौकीदार | 11 |
| 17. | सेवादार | 5 | कुक तथा हैल्पर | 7 |
| 18. | अन्य चतुर्थ श्रेणी कर्मचारी | 8 | सफाई कर्मचारी तथा अन्य चतुर्थ श्रेणी | 4 |

दिनांकः दिसम्बर 27, 2018

अशोक खेमका
प्रधान सचिव, हरियाणा सरकार,
खेल एवं युवा कार्यक्रम विभाग।

# खेल एवं युवा कार्यक्रम विभाग, हरियाणा की वार्षिक प्रशासनिक रिपोर्ट 2017–18

## सामान्य

देश के नागरिक ही वस्तुतः देश का सबसे अधिक मूल्यवान संसाधन होते हैं और हमारे विकास की प्रक्रिया नागरिकों के समेकित विकास पर आधारित होनी चाहिये। इस तथ्य के प्रति निरन्तर जागरूकता बढ़ रही है। इस बात को भी अधिक स्वीकारा जाने लगा है कि उन सभी संबंधित साधनों और अभिकरणों को जो इस विकास कार्य में योगदान दे रहे हैं अथवा ऐसा विकास जिनकी जिम्मेदारी है, उनको इकट्ठा कर दिया जाना चाहिये। अतः यह जरूरी है कि एक व्यापक दृष्टिकोण अपनाया जाये तथा विज्ञान और प्रायोगिक कला तथा शिल्प मानसिकी और मानव मूल्यों के विकास को एक सूत्र में पिरो दिया जाये। इस स्थिति को सम्मुख रखते हुये खेल एवं युवा कार्यक्रम विभाग, हरियाणा द्वारा खेलों को प्रोत्साहन देते हुये सभी योजनाएं कार्यान्वित की गई हैं। इन योजनाओं को कार्यान्वित किये जाने का मूल उद्देश्य खिलाड़ियों को अच्छे खेल इन्फ्रास्ट्रक्चर संबंधी सुविधा प्रदान करना, आधुनिक ढंग से प्रशिक्षण सेवाएं उपलब्ध करवाना और उन्हें वित्तीय सहायता, नकद ईनाम, छात्रवृतियाँ, पैंशन सुविधाएं प्रदान करके उनकी रूचि खेलों की ओर आकर्षित करने का प्रयास किया गया है।

वर्ष 2017–18 के दौरान ये सभी योजनाएं विभाग द्वारा कार्यान्वित की गईं। ऐसा करने के लिए निदेषालय के स्टाफ का योगदान वर्णनीय है। विभाग में 1 संयुक्त निदेशक एक्स काडर, 6 उपनिदेशक खेल, 3 सहायक निदेशक, 23 जिला एवं युवा कार्यक्रम अधिकारी, 121 प्रशिक्षक, 457 जूनियर प्रशिक्षक, 3 सहायक प्रशिक्षक, 10 योग प्रशिक्षक, 18 युवा एवं सांस्कृतिक संयोजक, 1 स्थापना अधिकारी, 6 अधीक्षक, 17 उपाधीक्षक तथा 52 सहायक नियुक्त रहे। विभाग की गतिविधियों का विस्तृत विवरण निम्न प्रकार से है:–

## 1. वृद्धावस्था पैंशन योजनाः

इस योजना के अन्तर्गत हरियाणा निवासी, राष्ट्रीय एवं अन्तराष्ट्रीय तथा ओलम्पिक स्तर के वैटरन खिलाड़ियों को, जो 60 वर्ष से ऊपर आयु वर्ग के हैं तथा जिनकी वार्षिक आय 25000/– रूपये तक हो, उनकी खेल उपलब्धियों के आधार पर राष्ट्रीय स्तर पर प्रतिभागिता के लिए 300/– रूपये व पदक विजेता को 500/– रूपये, अन्तराष्ट्रीय स्तर के खिलाड़ियों के लिए 700/– रूपये मासिक की दर से वृद्धावस्था पैंशन के रूप में दिये जाने की व्यवस्था है ताकि उनकी जीवन सन्ध्या को अधिक सुखद बनाया जा सके। इस योजना में इस वर्ष 2017–18 के दौरान 1 खिलाड़ी को लाभान्वित किया गया, जिस पर 3600 रूपये की राशि व्यय हुई।

## 2. खेल नर्सरी योजनाः

यह विभाग की बहुत ही महत्वपूर्ण योजना है जिसे वर्ष 1989 से शुरू किया गया है जिसके अन्तर्गत राज्य में एथलैटिक्स, जिम्नास्टिक, कुश्ती, वालीबाल, क्रिकेट, हॉकी तथा जूडो खेलों की नर्सरियों की स्थापना की गई। यहां पर प्रशिक्षण के अतिरिक्त खिलाड़ियों को निःषुल्क शिक्षा भी स्थानीय संस्थाओं के माध्यम से प्रदान की जाती है। इन खेल नर्सरीज़ में छोटी आयु वर्ग के (8 से 12 वर्ष के जिम्नास्टिक में तथा दूसरे खेलों में 10–14 वर्ष के) खिलाड़ी दाखिल किये जाते हैं। वर्ष 2017–18 में राज्य के सभी जिलों

में 343 स्वर्ण जयंती नर्सरियां षुरू की गईं। रिहायशी नर्सरियों में खिलाड़ियों को 150/– रूपये प्रतिदिन प्रति खिलाड़ी की दर से मुफ्त खाना व रिहायश दी जाती है। प्रशिक्षण के अतिरिक्त 50/– रूपये प्रति खिलाड़ी प्रति मास जेब खर्च दिया जाता है तथा डे बोर्डिंग नर्सरियों में खिलाड़ियों को 1500/–(आयु 8–14 वर्ष) तथा 2000/– रूपये (आयु 15–19 वर्ष) प्रतिमास की दर से छात्रवृत्ति दी जाती है।

**3. योग केन्द्र योजनाः**

योग पद्धति का भारतीय संस्कृति के साथ प्राचीन काल से अटूट सम्बन्ध रहा है। योग एक ऐसा साधन है जिसके द्वारा मानव के शारीरिक, मानसिक और बौद्धिक स्तर में एक ऐसाा सामंजस्य स्थापित होता है जिससे वह सदैव स्वस्थ, दीर्घायु और प्रसन्नचित रहता है। खिलाड़ियों के लिए योगा का विशेष महत्व है क्योंकि इससे उनका शारीरिक और मानसिक संतुलन बना रहता है। जिससे वे खेल प्रतियोगिता में श्रेष्ठ प्रदर्शन करते हुये उच्च उपलब्धियाँ प्राप्त करते हैं। दिनांक 4/12/17 से 7/3/18 तक राज्य के सभी 125 ब्लाकों में योग सैमिनार एवं योग प्रषिक्षण शिविरों का आयोजन किया गया। पंचकूला में 1 से 3 फरवरी 2018 तक आयोजित अंतर केन्द्र योग प्रतियोगिता में 477 खिलाड़ी भाग लेने के लिए आए। हर जिले में जिला स्तरीय योग प्रतियोगिता का आयोजन करवाया गया। इस योजना में वर्ष 2017–18 के दौरान 14.77 लाख की धनराशि योग गतिविधियाँ आयोजित करवाने पर व्यय की गई।

**4. खेल पुस्तकालयः**

प्रशिक्षकों एवं खिलाड़ियों को खेलों से संबंधित हर प्रकार की जानकारी देने के लिए उन्हें बदलते नियमों के बारे में सम्पूर्ण सूचना उपलब्ध करवाने के लिए विभाग के पुस्तकालय में विभिन्न खेलों तथा विषयों की 5800 पुस्तकें उपलब्ध हैं। ओलम्पिक तथा एशियन खेलों के सम्पूर्ण रिकार्ड भी पुस्तकालय में उपलब्ध हैं जो प्रशिक्षकों एंव अधिकारियों के लिए लाभप्रद हैं। पुस्तकालय में समाचार पत्रों तथा मैगजीनों की भी खरीद की जाती है। प्रशिक्षकों खिलाड़ियों के लिए खेलों के राष्ट्रीय/अंतराष्ट्रीय मैगजीन भी खरीदे जाते हैं ताकि वे राष्ट्रीय/अंतराष्ट्रीय खेलों की अधिक से अधिक जानकारी प्राप्त कर सकें। सभी ज़िला स्तरीय कार्यालयों में प्रशिक्षकों तथा खिलाड़ियों के प्रयोग हेतु पुस्तकें भिजवाई जाती हैं। इस योजना के अंतर्गत इस वर्ष पुस्तकें, अखबार तथा मैगज़ीन खरीदने पर 4.50 लाख रूपये की राशि व्यय हुई।

**5. सिविल सेवा प्रतियोगिता योजनाः**

सरकारी अधिकारियों तथा कर्मचारियों में खेलों के प्रति रूचि पैदा करने एंव शारीरिक रूप से हृष्ट पुष्ट रखने के लिए केन्द्र सरकार द्वारा सिविल सेवा खेल नियंत्रक बोर्ड स्थापित किया गया है जिसके अन्तर्गत विभिन्न खेलों की प्रतियोगिताएं करवाई जाती हैं जिसमें हरियाणा की टीमें भी भाग लेने के लिये भेजी जाती हैं। इस वर्ष अखिल भारतीय सिविल सेवा कबड्डी प्रतियोगिता 09/03/18 से 12/03/18 तक सिरसा में आयोजित की गई। हरियाणा से 14 खिलाड़ियों ने इसमें भाग लिया तथा 14000/– रूपये की राषि जारी की गई। इसके अतिरिक्त दिनांक 08/03/18 से 12/03/18 तक पंचकूला में अखिल भारतीय सिविल सेवा टेबल टैनिस प्रतियोगिता का आयोजन किया गया इसके सफ़ल आयोजन हेतु 15000/– रूपये की राषि स्वीकृत की गई।

## 6. स्वर्ण जयंती योजनाः

वर्ष 2017–18 को हरियाणा सरकार द्वारा 'स्वर्ण जयंती वर्ष' के रूप में मनाया गया। इस विभाग द्वारा स्वर्ण जयंती के उपलक्ष्य में राज्य में 'खेल महाकुंभ' का आयोजन करवाया गया। जिसका उद्घाटन दिनांक 27/09/17 को कर्ण स्टेडियम करनाल में किया गया तथा समापन समारोह दिनांक 31/10/17 को महाबीर स्टेडियम, हिसार में किया गया। इसके अतिरिक्त सभी ज़िलों मे 'जिला स्तरीय खेल महाकुंभ' का आयोजन दिनांक 26/09/17 से 03/10/17 तक 24 खेलों में करवाया गया।

## 7. मानव संसाधन विकास योजनाः

राज्य में खेलों के बढ़ावा देने एवं राज्य के खिलाड़ियों/नागरिकों को स्पर्धा का अवसर प्रदान करने के लिए विभिन्न स्तरों पर खेल मुकाबले करवाये जाते हैं तथा जिला अखाड़ा कुश्ती/जिला कुमार केसरी दंगल और राज्य अखाड़ा कुश्ती तथा हरियाणा कुमार, हरियाणा केसरी दंगल को आयोजन भी किया जाता है। सभी खेलों में राज्य स्तरीय अंतर केन्द्र प्रतियोगिताएं, 2 अक्तूबर को रन फार फन, राज्य स्तरीय पैरालिंपिक प्रतियोगिता तथा राज्य व राष्ट्रीय स्तर पर ग्रामीण खेल प्रतियोगिताओं का प्रतिवर्ष आयोजन किया जाता है। इसके अतिरिक्त मेजर ध्यानचंद के जन्मदिवस पर प्रतिवर्ष राज्य स्तर पर लड़के–लड़कियों की हाकी प्रतियोगिता करवाई जाती है। वर्ष 2017–18 में मानव संसाधन विकास योजना के अंतर्गत 1914.29 लाख रूपये की राशि व्यय की गई। खेल कैलेण्डर अनुलग्नक 'क' पर उपलब्ध हैं।

## 8. प्रशिक्षण शिविर योजनाः

प्रशिक्षण का खेलों की प्रगति में महत्वपूर्ण स्थान है। इस योजना के अंतर्गत खेलों के विकास के दृष्टिगत विभाग द्वारा राज्य में विभिन्न स्थानों पर प्रशिक्षण केन्द्र स्थापित किये हुये हैं। यहां पर प्रातः तथा सांय विभाग के निपुण प्रशिक्षकों द्वारा खिलाड़ियों को सघन प्रशिक्षण देने के लिये, राज्य की टीमों को राष्ट्रीय प्रतियोगिताओं में भाग लेने से पूर्व प्रशिक्षण शिविर भी लगाये जाते हैं, जिनमें प्रशिक्षण के अतिरिक्त 150/– रूपये प्रतिदिन प्रति खिलाड़ी की दर से खुराक दी जाती है। स्थानीय खिलाड़ियों के अतिरिक्त अन्य खिलाड़ियों को आवास की भी निःशुल्क सुविधा दी जाती है ताकि खिलाड़ी राष्ट्रीय प्रतियोगिता में राज्य की ओर से अच्छा प्रदर्शन कर सकें। वर्ष 2017–18 में राष्ट्रीय प्रतियोगिताओं से पूर्व 23 प्रषिक्षण षिविर लगाये गये। इस योजना में 18.66 लाख रूपये की राषि व्यय की गई।

## 9. इन्फ्रास्ट्रक्चर योजनाः

इस योजना के अन्तर्गत ग्रामीण तथा जिला स्तर पर खेलों से संबंधित निमार्ण कार्य हेतु राज्य सरकार द्वारा 90% अनुदान दिया जाता है बाकी 10% खर्चा संबंधित ग्राम पंचायत वहन करती है। वर्ष 2017–18 में इस योजना में कुल 6.99 करोड़ रूपये की राशि के अनुदान स्वीकृत किए गए इसके अतिरिक्त बड़े बजट के प्रोजैक्टों के लिए 49.09 करेड़ की स्वीकृत की गई।

### (i) मेन्टेनैंस ऑफ प्लेफील्ड योजना

इस योजना के अन्तर्गत राज्य में स्थापित खेल स्टेडियम खेल मैदानों की देखभाल हेतु सभी जिला खेल एवं युवा कल्याण अधिकारियों को 9.94 करोड़ रूपये की राशि स्वीकृत की गई।

(ii) एस.सी. कम्पोनैंट योजना के अंतर्गत 731.02 लाख रूपये की राशि स्टेडियम के निर्माण हेतु खर्च की गई।

**10. नई प्रशिक्षण योजनाः**

वर्ष 2017–18 में इस योजना के अन्तर्गत 110.60 लाख रूपये का प्रावधान किया गया। यह राशि अधिकारियों तथा कर्मचारियों को वेतन आदि देने पर खर्च की गई।

**11. युवा गतिविधियों संबंधी योजनाएंः**

विभागीय युवा शाखा द्वारा निम्न योनजाएं कार्यान्वित की जा रही हैंः–

| | | | |
|---|---|---|---|
| 1. | नेहरू युवा केन्द्र नान प्लान | 2. | चेतन संघः नान प्लान |
| 3. | युवा विकास योजना प्लान | 4. | युवा विकास योजना (Grant in aid) |

विभागीय नेहरू केन्द्र नॉन प्लान तथा चेतना संघ नान प्लान योजनाओं में विभाग में कार्यरत कुछ अधिकारियों/कर्मचारियों के वेतन का प्रावधान किया गया है और कुछ राशि युवा गतिविधियों को चलाने के लिये ओ.सी. ( अन्य खर्चा ) मद में भी दी गई है। अन्य योजनाओं में जो भी राशि बजट के रूप में दी जाती है वह सब युवा गतिविधियों के लिए ही प्रयोग की जाती है। इस प्रकार विभागीय युवा शाखा द्वारा कार्यान्वित की जा रही योजनाओं के अन्तर्गत राज्य के 13 से 35 वर्ष की आयु वर्ग युवाओं के सर्वांगीण विकास के लिए राज्य में सांस्कृतिक, साहसिक, व्यावसायिक प्रशिक्षण एवं अन्य युवा कल्याणकारी गतिविधियों का आयोजन प्रति वर्ष करवाया जाता है। इसके अतिरिक्त राज्य में युवा दिवस तथा युवा सप्ताह भी आयोजित किए जाते हैं। राज्य स्तर पर 5 सर्वोतम युवाओं को 40–40 हजार रूपये तथा सर्वोंतम युवा क्लब को 40 हजार रूपए के नकद पुरस्कार भी प्रदान किया जाता है तथा जिला स्तर पर सर्वोत्तम युवाओं 20–20 हजार रूपए व सर्वोतम युवा क्लबों को 30–30 हजार रूपए का पुरस्कार प्रदान किया जाता है। इन गतिविधियों पर वर्ष 2017–18 में 178.00 लाख रूपये की राशि व्यय की गई। वर्ष 2017–18 में आयोजित करवाई गई युवा गतिविधियों का कैलेण्डर अनुलग्नक **'ख'** पर उपलब्ध है तथा राज्य स्तर पर पुरस्कार पाने वाले युवाओं तथा युवा क्लबों की सूची अनुलग्नक **'ग'** पर है।

**12. खेल पुरस्कार तथा प्रोत्साहन योजनाः**

**i) नकद ईनाम योजनाः** इस योजना के अन्तर्गत/अन्तर्राष्ट्रीय राष्ट्रीय स्तर के पदक विजेता खिलाड़ियों को नकद ईनाम देकर प्रोत्साहित किया जाता है। यह पुरस्कार 7000/– रूपये से लेकर 6.00 करोड़ रूपये की राशि तक खिलाड़ियों को उनकी गत वर्ष की खेल उपलब्धियों के अनुसार दिया जाता है।

**ii) भीम पुरस्कार योजनाः**

इस योजना के अन्तर्गत हरियाणा राज्य के उन उत्कृष्ट खिलाड़ियों को भीम पुरस्कार से सम्मानित किया जाता है जिन्होंने अंतर्राष्ट्रीय/राष्ट्रीय स्तर की प्रतियोगिताओ में देश/राज्य का नाम रोशन किया। ईनाम के तौर पर खिलाड़ी को 5.00 लाख रूपये नकद, भीम की एक प्रतिमा तथा एक स्क्रोल ऑफ ऑनर, एक ब्लेज़र, एक टाई देकर सम्मानित किया जाता है। 2017–18 के खिलाड़ियों को भीम पुरस्कार प्रदान करने बारे कार्यवाही अग्रसर है।

**iii) छात्रवृति योजनाः**

वर्ष 2017–18 में 32.26 लाख रूपये की राशि स्कूलों व कालेजों में पढ़ने वाले खिलाड़ियों को उनकी सराहनीय उपलब्धियाँ के लिए वितरित की गई। प्रथम एवं द्वितीय स्थान प्राप्त करने वाले स्कूली खिलाड़ियों को 2400/– रूपए व 1800/– रूपए तथा कालेजों के खिलाड़ियों को 3000/– रूपए व 2400/– रूपए वार्षिक छात्रवृति प्रदान की गई। जिससे 1932 खिलाड़ी लाभान्वित हुए। इसके अतिरिक्त अनुसूचित जाति के 843 खिलाड़ियों को 13.31 लाख रूपए की छात्रवृतियां दी गईं।

**iii) स्टाईफण्ड योजनाः**

स्टाईफण्ड योजना के अंतर्गत उन खिलाड़ियों को 3000 रूपये प्रति खिलाड़ी की दर से स्टाईफण्ड दिया जाता है जो भारतीय खेल प्राधिकरण के खेल संस्थानों में प्रशिक्षक का कोर्स कर रहे हैं तथा वर्ष 2017–18 में 9 खिलाड़ियों को स्टाईफ़ण्ड दिया गया।

**iv) अर्जुन तथा द्रोणाचार्य अवार्ड विजेताओं को मानदेयः**

विभाग द्वारा अर्जुन, द्रोणाचार्य तथा ध्यानचन्द पुरस्कार विजेताओं को 5000/– रूपये प्रतिमास देने की नई योजना अप्रैल 2010 शुरू की गई। वर्ष 2017–18 में 94 ऐसे विजेतओं को मानदेय दिया गया। जिस पर 68.45 लाख रूपए की राशि व्यय हुई। अर्जुन पुरस्कार, भीम पुरस्कार विजेता, ओलंपियन, एशियन तथा राष्ट्रमंडल खेलों में पदक विजेता खिलाड़ियों को हरियाणा रोडवेज की डीलक्स बसों में निःशुल्क बस यात्रा सुविधा भी दी जाती है।

**13. मास पॉपुलराईज़ेशनः**

इस योजना के अन्तर्गत ग्रामीण स्तर पर खेलों को बढ़ावा देने के उद्देश्य से ग्रामीण स्कूलों में खेलों का सामान, प्रशिक्षण की सुविधा तथा अन्य सुविधाएं प्रदान की जाती हैं। इसके अतिरिक्त विभिन्न खेल प्रतियोगिताओं/गतिविधियों जैसे रन फार फन, मैराथन इत्यादि का आयोजन किया जाता है। इस योजना में कुल 28.31 लाख रूपए खर्च हुए।

**14. जिम्नास्टिक योजनाः**

इस योजना के अन्तर्गत राज्य में स्थापित सभी जिम्नास्टिक केन्द्रों पर प्रशिक्षण प्राप्त कर रहे खिलाड़ियों के लिए जिला तथा राज्य स्तर पर अन्तर केन्द्र जिम्नास्टिक प्रतियोगिताएँ आयोजित करवायी जाती हैं। वर्ष 2017–18 में लड़कियों तथा लड़कों की राज्य स्तरीय प्रतियोगिता मोतीलाल नेहरू खेल स्कूल राई (सोनीपत) में आयोजित करवायी गई तथा इन मुकाबलों पर 11.28 लाख रूपये की राशि खर्च हुई। इन मुकाबलों में राज्य के सभी जिलों से 945 खिलाड़ियों ने भाग लिया। इस प्रतियोगिता से पूर्व जिला स्तरीय अन्तर केन्द्र जिम्नास्टिक प्रतियोगिता का आयोजन दिनांक 24/08/17 से 28/08/17 तक करवाया गया। जिसके आयोजन हेतु 22500/– रूपये की स्वीकृति 15 जिलों हेतु जारी की गई।

**15 खेलो इण्डिया योजनाः**

भारत सरकार की खेलो इण्डिया योजना वर्ष 2016–17 में आरम्भ की गई। खेलो इण्डिया योजना 100% भारत सरकार की योजना है। इस योजना के अन्तर्गत अण्डर–14 व अण्डर–17 वर्ग में लडके लडकियों की प्रतियोगिता के आयोजन का प्रावधान है। वर्ष 2017–18 में इस योजना के अन्तर्गत भारत सरकार द्वारा दिनांक 31/01/18 से 08/02/18 तक प्रथम 'खेलो इंडिया स्कूल गेम्ज़' का आयोजन नई दिल्ली में करवाया गया। हरियाणा के 408 खिलाड़ियों ने इन गेम्ज़ में प्रतिभागिता की तथा 72 स्वर्ण, 61 रजत व 36 कांस्य पदक प्राप्त किये।

**16 खेल स्कूल राईः**

मोतीलाल नेहरू खेल स्कूल राई की स्थापना जुलाई 1973 में तथा इसकी कनिष्ठ शाखा कमला नेहरू स्कूल की स्थापना 1974 में, हरियाणा में प्रतिभा सम्पन्न विद्यार्थियों को उच्च स्तरीय शिक्षा के साथ साथ आधुनिक पद्धति एवं गुणवत्ता पर आधारित खेलों की विशेष सुविधाएं प्रदान करने के लिए की गई। यह ऐसा विद्यालय है जो कि आई.पी.एस.सी. (इंडियन पब्लिक स्कूल कान्फ्रैंस) तथा एन. पी. एस. सी. नैषनल प्रोग्रेसिव स्कूल कान्फ्रैंस का सदस्य है विज्ञान एवं पर्यावरण केन्द्र द्वारा विद्यालय को 2013 से 2017 तक **'Green School Award'** तथा मानव संसाधन एवं विकास मंत्रालय द्वारा 'चेंज मेकर श्रेणीं' में नं0 1 विद्यालय का पुरस्कार प्रदान किया गया है। एजुकेशन वर्ल्ड इंडिया स्कूल रैकिंग में वर्ष 2011 से 2017 तक खेल शिक्षा के लिए आवासीय विद्यालयों में प्रथम स्थान प्राप्त किया।

इस विद्यालय में प्रवेश केवल योग्यता के आधार पर होता है, जिसका प्रशिक्षण दो स्तरों पर एक कमेटी द्वारा किया जाता है। स्कूल का स्टाफ उच्च शिक्षा प्राप्त एवं अपने कार्य के लिए समर्पित है और स्कूल का सारा प्रबन्ध एक विशेष बोर्ड द्वारा किया जाता है, जिसका चयन हरियाणा सरकार करती है, और महामहिम राज्यपाल हरियाणा, बोर्ड के अध्यक्ष हैं।

इस विद्यालय का सारा खर्च हरियाणा सरकार वहन करती है और सभी बच्चे छात्रावास में रहते हैं विद्यालय में खेलों के मैदान, आडिटोरियम, तरणताल, अस्पताल व 400 मीटर ट्रैक तथा हाकी के 2 कृत्रिम घास के मैदान तथा स्कवॉश कोर्ट की सुविधाएं प्राप्त हैं। अत्याधुनिक 50 मीटर राईफल शूटिंग रेंज, तरणताल, मल्टीपरपज़ हॉल, दर्षक दीर्घा सहित क्रिकेट पैविलियन, एस्ट्रोटर्फ, अष्वारोहण तथा टैनिस कोर्ट की सुविधाएं भी विद्यालय में उपलब्ध है।

यह विद्यालय शेरशाह सूरी मार्ग पर दिल्ली से अंबाला जाने वाली सड़क पर स्थित है और इसका प्रांगण लगभग 300 एकड़ भूमि में फैला हुआ है। खेल व पढ़ाई की सुविधाओं के अतिरिक्त बच्चों के फोटोग्राफी धातुकला, चित्रकला, कास्तकला, आदि के माध्यमों द्वारा अपने शौक पूरे करने की सुविधाएं भी उपलब्ध हैं। इसके अतिरिक्त संगीत, नृत्य, बैंड, टाईप–राईटिंग, बेकिंग, भाषण प्रतियोगिता और रंगमंचीय सुविधाएं भी प्राप्त है। इन सुविधाओं द्वारा बच्चों के सर्वांगीण विकास के लिए प्रयत्न किया जाता है ताकि मैडिकल कॉलेज, इंजीनियरिंग तथा एन.डी.ए. आदि में प्रवेश पाने के योग्य हो सकें और यहां से शिक्षा पाने के बाद वे किसी भी महाविद्यालय में आसानी से प्रवेश पा सकें।

यह स्कूल केन्द्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड, नई दिल्ली से संबद्ध है और इसमें अंग्रेजी माध्यम द्वारा शिक्षा दी जाती है परन्तु हिन्दी शिक्षण पर भी विशेष बल दिया जाता है। अधिकतम प्रवेश चौथी कक्षा से ही दिए जाते है। और बच्चे को जिस साल प्रवेश लेना हो उस समय बच्चे की आयु 8 से 10 साल के बीच होनी चाहिए। जो बच्चे शारीरिक परीक्षण पास कर लेते है उन्हें लिखित परीक्षा के लिए बुलाया जाता है। शारीरिक परीक्षण बहुत ही सावधानी से बनाया गया है ताकि बच्चों की खेल अभिरूचि को जांचा जा सके। जो विद्यार्थी लिखित परीक्षा में पास हो जाते हैं, केवल उन्हें ही साक्षात्कार व चिकित्सा परीक्षण के लिए बुलाया जाता है।

नई कक्षा का आरभ अप्रैल महीने से हो जाता है। 80 प्रतिशत सीटें हरियाणा के स्थाई निवासियों के लिए सुरिक्षत हैं। हरियाणा सरकार की पॉलिसी एवं शिक्षा के अधिकार के अंतर्गत आठवीं कक्षा तक किसी विद्यार्थी से टयूशन फ़ीस नहीं ली जाती।

**<u>चौकसी विभाग की रिपोर्टः</u>**

वर्ष 2017–18 के दौरान श्री मनसुख सहायक के विरूद्व थाना, राज्य चौकसी ब्यूरो, हिसार में प्राथमिक सूचना रिपोर्ट दिनांक 15/03/2016 के तहत दर्ज है।

## अनुलग्नक–क

## खेल कैलेण्डर वर्ष 2017–2018

| क्र. सं. | प्रतियोगिता का नाम | आयोजन तिथि | आयोजन स्थल |
|---|---|---|---|
| 1. | राज्य स्तरीय u-19 खेल महाकुम्भ | 27/09/17 से 31/10/17 | करनाल तथा हिसार |
| 2. | राज्य अन्तर केन्द्र जिम्नास्टिक प्रतियोगिता (लड़के) | 15/11/17 से 17/11/17 | राई (सोनीपत) |
| 3. | राज्य अन्तर केन्द्र जिम्नास्टिक प्रतियोगिता (लड़कियां) | 28/11/17 से 30/11/17 | राई (सोनीपत) |
| 4. | राज्य स्तरीय मैराथन छोटू राम जयंती पर | 20/01/18 | नरवाना जिला जींद |
| 5. | राज्य अन्तर केन्द्र योग प्रतियोगिता | 01/02/18 से 03/02/18 | पंचकूला |
| 6. | पंडित दीनदयाल उपाध्याय मैमोरियल ऑल इण्डिया कबडडी प्रतियोगिता | 19/02/18 से 21/02/18 | जीन्द |
| 7. | राज्य स्तरीय अखाड़ा/हरियाणा कुमार तथा केसरी दंगल (लड़के तथा लड़किया) | 26/02/18 से 28/02/18 | झज्जर तथा हिसार |
| 8. | आखिल भारतीय सिविल सेवा टेबल टेनिस प्रतियोगिता | 08/03/18 से 12/03/18 | पंचकूला |
| 9. | अखिल भारतीय सिविल सेवा कबड्डी प्रतियोगिता | 09/03/18 से 12/03/18 | सिरसा |
| 10. | राज्य स्तरीय पैरालिम्पिक प्रतियोगिता | 14/03/18 से 16/03/18 | पंचकूला |
| 11. | भारत केसरी दंगल | 21/03/18 से 23/3/18 | भिवानी |

## अनुलग्नक–ख

## युवा कार्यक्रम गतिविधियों को कलैण्डर 2017–18

| क्र. सं0 | गतिविधियों का नाम | आयोजन की तिथि | स्थान | लाभार्थियों की संख्या |
|---|---|---|---|---|
| 1. | पर्वतारोहण (high altitude) | 24–31 मई 2017 | मनाली | 168 लड़के/लड़कियाँ |
| 2. | पर्वतारोहण (high altitude) | जून 2017 | कुफ़री (हि0प्र0) | 168 लड़के/लड़कियाँ |
| 3. | रिवर रॉफ्टिंग | जून 2017 | कोडियाला (उतराखंड) | 360 लड़के/लड़कियाँ |
| 4. | राज्य स्तरीय सांस्कृतिक कार्यषाला | 17–21 जुलाई 2017 | समस्त जिलों में | 105 लड़के/लड़कियाँ |
| 5 | बेसिक वॉटर स्पोर्टस | अगस्त तथा सितम्बर 2017 | पौंगडैम (हि0प्र0) | 84 प्रतिभागी |
| 6. | जिला स्तरीय युवा उत्सव | 03–04 अक्टूबर 2017 | समस्त जिलों में | 6300 लड़के/ लड़कियाँ |
| 7. | राज्य स्तरीय यूथ क्लब सैमीनार | 16–17 अक्टूबर 2017 | अम्बाला | 290 |
| 8. | राज्य स्तरीय युवा उत्सव | 24–26 नवंबर 2017 | कैथल | 850 प्रतिभागी |
| 9. | राष्ट्रीय एडवैंचर प्रोग्राम | 05–11 दिंसम्बर 2017 | पंचमढ़ी (म0प्र0) | 92 प्रतिभागी |
| 10. | राष्ट्रीय युवा उत्सव में प्रतिभागिता | 12–16 जनवरी 2018 | रोहतक | ––– |
| 11. | अन्तरराष्ट्रीय एडवैंचर प्रोग्राम | 02–02 फरवरी 2018 | पंचमढ़ी (म0प्र0) | 60 प्रतिभागी |

## अनुलगनक–ग

## राज्य स्तर पर पुरस्कार पाने वाले सर्वश्रेष्ठ युवाओं की सूचि वर्ष 2017–18

| क. सं | युवा का नाम | जिला | राशि |
|---|---|---|---|
| 1 | श्री जितेन्द्र नरवाल सुपुत्र श्री जगपाल नरवाल, 842/7, अर्बन इस्टेट, करनाल। | करनाल | 40,000/– |
| 2 | श्री प्रवीन खोखर सुपुत्र श्री हरि सिंह, गांव सामड़ी, गोहाना। | सोनीपत | 40,000/– |
| 3 | श्री मनोज कुमार सुपुत्र श्री सूबे सिंह, गांव नालोई। | भिवानी | 40,000/– |
| 4 | श्री अभिषेक सैनी सुपुत्र श्री बलवंत सिंह 3118, रामबास, भारांवास गेट, रेवाड़ी | रेवाड़ी | 40,000/– |
| 5 | अमित यादव सुपुत्र श्री राजकुमार, गांव कर्मगढ़, जीन्द | जीन्द | 40,000/– |
| | **कुल राषि** | | **2,00,000/–** |